view to clearing the backlog of track renewal work, the Railways have estimated the requirement of funds as Rs. 560 crores in the next 5 years including Rs. 100 crores in 1978-79. In the Annual Plan 1978-79, provisions of funds for track renewal works has been made to the extent of Rs. 54 crores and it is hoped that additional funds would become available in the later years. Within the available resources, Railways will endeavour their best to maintain railway track in a satisfactory condition so that safety of train operations is not jeopardised.

Sale of Inferior Quality of Biris

4618. SHRI H. L. P. SINHA : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether most inferior quality of biris are sold at every railway station and if so, the reasons therefor;

(b) whether the tasty and clean food used to be served by the contractors, Shri Ballabha Das Agrawal is not now available in railway canteens ; and

(c) if so, whether Government will inquire into the matter and ensure supply of clean and good food and if so, by what time ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) No. Good quality of Biris obtained from a standard sources and local popular brands are sold at railway stations.

b: and (c). Railways have taken a number of steps to improve the quality of food and service on the Railways such as adoption of modern culinary techniques, use of modern kitchen gadgets and equipments, setting up of base kitchens to provide 'ready to serve' meals on trains, procurement of raw materials and ingredients from standard sources, training of catering staff in suitable institutes, etc. Checks and surprise inspections are carried out regularly by the Inspectors and Officers to ensure service of good quality food, tea, coffee. etc., to the travelling public both by departmental as well as privately managed catering establishments.

If specific complaints are brought to the notice of the Railway Administration, suitable remedial action will be taken.

रेलवे स्टेशनों पर पुस्तकों की बिक्री तथा एजेंसियां

4619. श्री मृत्युंजय प्रसाद वर्मा : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) रेलवे स्टेशनों पर पुस्तकें, पत्र पत्रिकायें बेचने के एकाधिकार एजेंसी लाइसेंस पहले-पहले कब चालू किये गये;

(ख) मैसर्स ए० एच० व्हीलर, हिगिन बौथम तथा मुंशी गुलाब सिंह कम्पनी को कब से किन-किन रेलवे के किन-किन स्टेशनों पर पुस्तकें तथा पत्र पत्रिकायें बेचने का एकाधिकार एजेंसियां दी गयीं और वर्तमान लाइसेंस कब समाप्त होने वाले हैं;

(ग) इन लाइसेंसों अथवा एकाधिकार एजेंसियों की शर्तें क्या हैं तथा इन एकाधिकार एजेंटों ने रेलवे को कितनी कमीशन तथा भूमि भाड़ा दिया और गत तीन वर्षों में रेलवे को इन तीनों से अलग-अलग कितनी राशि प्राप्त हुई;

(घ) क्या रेलवे ने उन्हें निःशुल्क यात्रा के लिए पास दिये हैं; यदि हां, तो किन को और किस श्रेणी के तथा कितने निःशुल्क पास दिये हैं तथा वे कहां से कहां तक के सफर के लिए दिये गये हैं; और

(ङ) यदि कोई और अन्य एकाधिकारी विक्रेता है तो उसके बारे में भी उपरोक्त जानकारी क्या है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) इतने दिनों के बाद यह सूचना उपलब्ध नहीं है । इस समय क्षेत्रीय रेलवे में या क्षेत्रीय आधार पर किसी बुक स्टाल ठेकेदार की एकाधिकार एजेंसी नहीं है । मैसर्स ए० एच० व्हीलर एण्ड कम्पनी और मैसर्स गुलाबसिंह एण्ड सन्त का उन स्टेशनों पर एकमात्र अधिकार है जहां उनके बुकस्टाल हैं । मैसर्स हिगिन बौथम के करार में उनके 'एकाधिकार' का खंड नहीं है ।